	14.धीरेन्द्र वर्मा: हिन्दी साहित्य कोश, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी 15. डॉ. रामनिवास शर्मा: लोकसाहित्य का लोकतत्व, निर्मल पब्लिकेशन, संस्करण २००३ 16. संपादक - राधेश्याम धूत, डॉ. कृष्णगोपाल शर्मा: साहित्य एवं संस्कृति चिंतन, लेखक- डॉ.राधेश्याम शर्मा, बुक एनक्लेव, जयपुर, २००४ 17. डॉ. श्रीराम शर्मा : लोक साहित्यः स्वरूप और मूल्यांकन, निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली, १९९७ 18. डॉ. गणेशदत्त सारस्वत:हिन्दी लोक साहित्य, विद्या विहार,कानपुर, १९८१ 19. डॉ. बापूराव देसाई:लोक साहित्य, विनय प्रकाशन, कानपुर, १९९६	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO - 212

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Literature:Thought & Philisophy

(साहित्य:विचार एवं दर्शन)

No. of credits (क्रेडिट):-04 (48 HOURS)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisities for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	भारतीय एवं पाश्चात्य मनीषियों एवं चिंतकों के वैचारिक एवं दार्शनिक मान्यताओं के आधार पर हिंदी साहित्य की समझ को विकसित करना।	
Objective (उद्देश्य)	1. भारतीय चिंतन परंपरा के माध्यम से हिंदी साहित्य का अवलोकन। 2. हिंदी साहित्य पर पाश्चात्य चिंतन परंपरा के प्रभाव को रेखांकित करना।	
Content (विषयवस्तु)	1.वैदिक दर्शन: वैचारिक पृष्ठभूमि 2.भारतीयदर्शन:अद्वैतवाद,शुद्धाद्वैतवाद,विशिष्टाद्वैतवाद,द्वैतवाद,द्वैताद्वैतवाद, बौद्ध एवं जैन दर्शन । 3.मार्क्सवाद : अवधारणा एवं स्वरूप 4.अस्तित्ववाद : अवधारणा एवं स्वरूप । 5.मनोविश्लेषणवाद :अवधारणा एवं स्वरूप । 6.गांधीदर्शन : अवधारणा एवं स्वरूप । 7.समाजवादी दर्शन : अवधारणा एवं स्वरूप । (डॉ. राममनोहर लोहिया, श्री मधु लिमये आदि के संदर्भ में)	8 Hours 10 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours 6 Hours

Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/reading संदर्भ-ग्रंथ	1.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:भारतीय दर्शन भाग १,राजपाल एण्ड सन्स ,दिल्ली, 2012 । 2.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:भारतीय दर्शन भाग २, राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली, 2013 । 3.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:उपनिषदों का संदेश,राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली 1997 । 4.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:सत्य की खोज,राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,2013 5.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन:गौतम बुद्ध- जीवन दर्शन, मंजुल पब्लिशिंग हाउस,,दिल्ली,1899 । 6.डॉ. कर्णसिंह: मेरा जीवन दर्शन,राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली 2013 । 7.जे. कृष्णमूर्ति: ईश्वर क्या है, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2012 । 8.डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन: भारतीय संस्कृति कुछ विचार, राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,1997 ।	

Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNO-13

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Rachnatmak Lekhan

(रचनात्मक लेखन)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित: रचनात्मकता की साधारण जानकारी अपेक्षित है। जिसमें संवेदना क्या है? साहित्य में भावों को कैसे रचा जाता है? आदि।	
उद्देश्य	प्रस्तुत पाठ्यक्रम में भाषा एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया , अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्र , लेखन के विविध रूप , पक्षधरता का सवाल , साहित्य में बिंब , फैंटेसी, प्रतीक, जादुई यथार्थवाद का प्रयोग , कविता में संवेदना का महत्व , काव्य रूप , भाषा का सौष्ठव , कथा साहित्य में पात्र परिवेश, नाट्य साहित्य में पात्र-परिवेश के साथ रंगकर्म और गद्य के विविध विधाओं में लेखन कैसे किया जाता है आदि का ज्ञान कराना उद्देश्य है। इसके साथ निर्धारित रचनाओं के माध्यम से रचनात्मकता के विविध रूपों का ज्ञान कराना भी अपेक्षित है।	
	1. रचनात्मक लेखनः अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत • भाषा एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया • विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र: साहित्य, पत्रकारिता, विविध गद्य अभिव्यक्तियां • लेखन के विविध रूप: मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, बाल लेखन। • रचनात्मक लेखन: पक्षधरता का सवाल, लेखन की परंपरा। • रचना सौष्ठव: शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, फैंटेसी, जादुई यथार्थवाद।	12hours